M.D.S. COLLEGE OF EDUCATION

JHAJJAR ROAD, KOSLI (Rewari)

Project

Vyan ENTERPRISES

Reading and Reflecting on Texts

Name Archana Kumari Class B.Ed 1st year

Roll No. 13 University Roll No 1720904640011

INDEX

Name : Archana Kumari Roll No. 13 University Roll No. 720804004

Title : Reading and Reflecting on Texts

Sr. No.	Topic	Page No.	Date	Teacher's Sign Remarks
1.	Introduction	01	9-3-018	
2.	what is language and skill	2-3	11-03-2018	
3.	Teaching of Reading skill	4-5	14-03-18	
4.	Techniquies for Acquisations of Methods.	6-10	17-03-2018	
5.	Reading for Global Comprehension.	11-12	21-03-2018	
6.	Skimming, Scaning and Intensive Reading.	12-14	23-03-2018	
7.	Narratives, Biographical sketchs.	14-19	25-03-2018	
8.	Process of critical Reading	20-22	27-3-2018	
9.	Methods of developing skills.	23	1-4-2018	Yadav

Reading and Reflecting on Text Introduction

पढ़ने और पाठ को दर्शाने का अर्थ होता है। जब भी आप कुछ पढ़ रहे हैं तो उसे किस प्रकार पढ़ते हैं और उनके बारे में आप क्या सोचते हैं। उसे पढ़ने के पश्चात क्या सीख मिली तथा हम उसे अपने शब्दों में किस तरह से व्यक्त कर सकते हैं।

पाठ्य कई प्रकार के होते हैं ये व्यक्तिगत होने के साथ-साथ सृजनात्मक तथा आलोचनात्मक भी होते हैं। इन्हें पढ़ने के बाद वर्णन करना, विश्लेषण तथा आलोचनात्मक वर्णन करना आना चाहिए। ये भी व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से किया जाता है।

लेखन भी कई प्रकार के उद्देश्यों से संबंधित होता है। लेखन कुछ विशेष उद्देश्यों के लिए किया जाता है। इसका उद्देश्य पाठकों को आनंद प्रदान करना होता है।

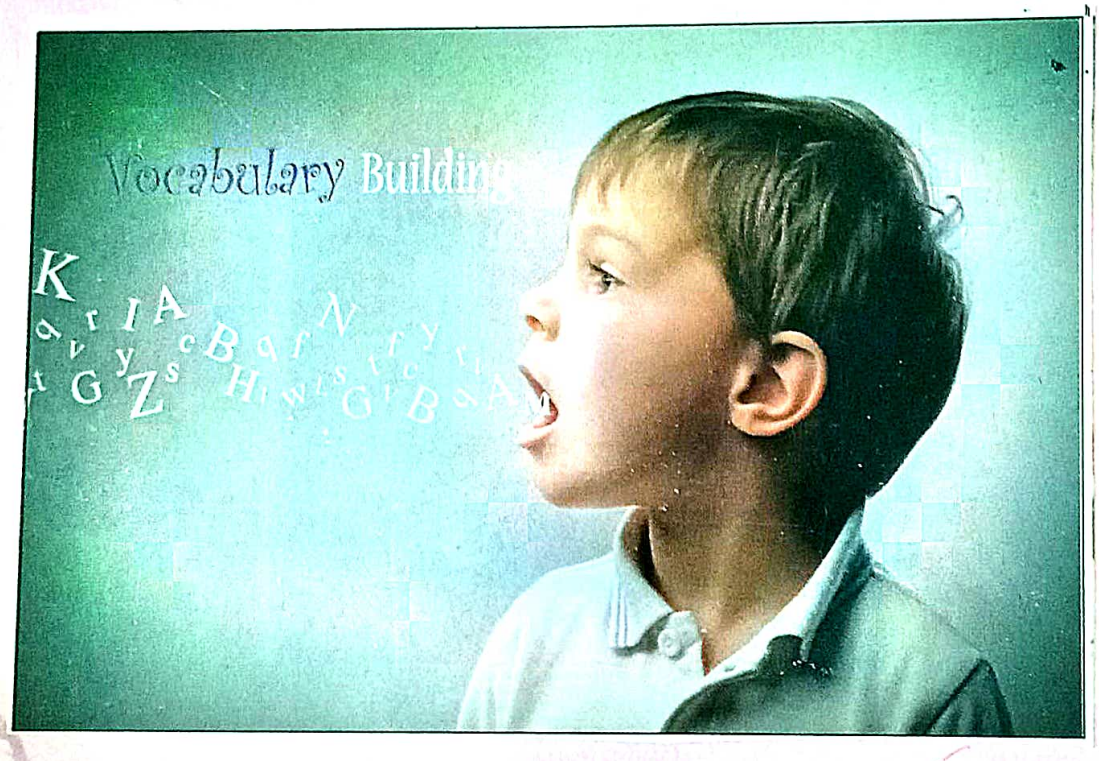
Vocabulary Building

Language Skill

भाषा :

भाषा एक ऐसी योग्यता है विशेषकर मानवीय योग्यता जिसके द्वारा वह संचार की जटिल प्रणाली को ग्रहण कर इनका प्रयोग करता है। भाषा एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा हम अपने विचारों, भावनाओं, दृष्टिकोण का आदान-प्रदान करते हैं। भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन को भाषा विज्ञान कहा जाता है। किसी भाषा को सिखने के लिए उसकी चार मौलिक कौशलों पर महारत की आवश्यकता होती है।

"भाषा एक प्रतीकों की प्रवृति प्रणाली है जो लोगों को संवाद व अंतः क्रिया करने की अनुमति देती है। इन प्रतीकों में मौखिक व लिखित रूप इशारे और शारीरिक भाषा भी शामिल है।

इसके चार मूलभूत भाषायी कौशल सुनना, बोलना, लिखना व पढ़ना शामिल है।

अपने शिक्षणों में आपको इन सभी कौशलों में सिखाना होगा। लोग आमतौर पर इन चार चीजों को निम्न क्रम में सिखते हैं।

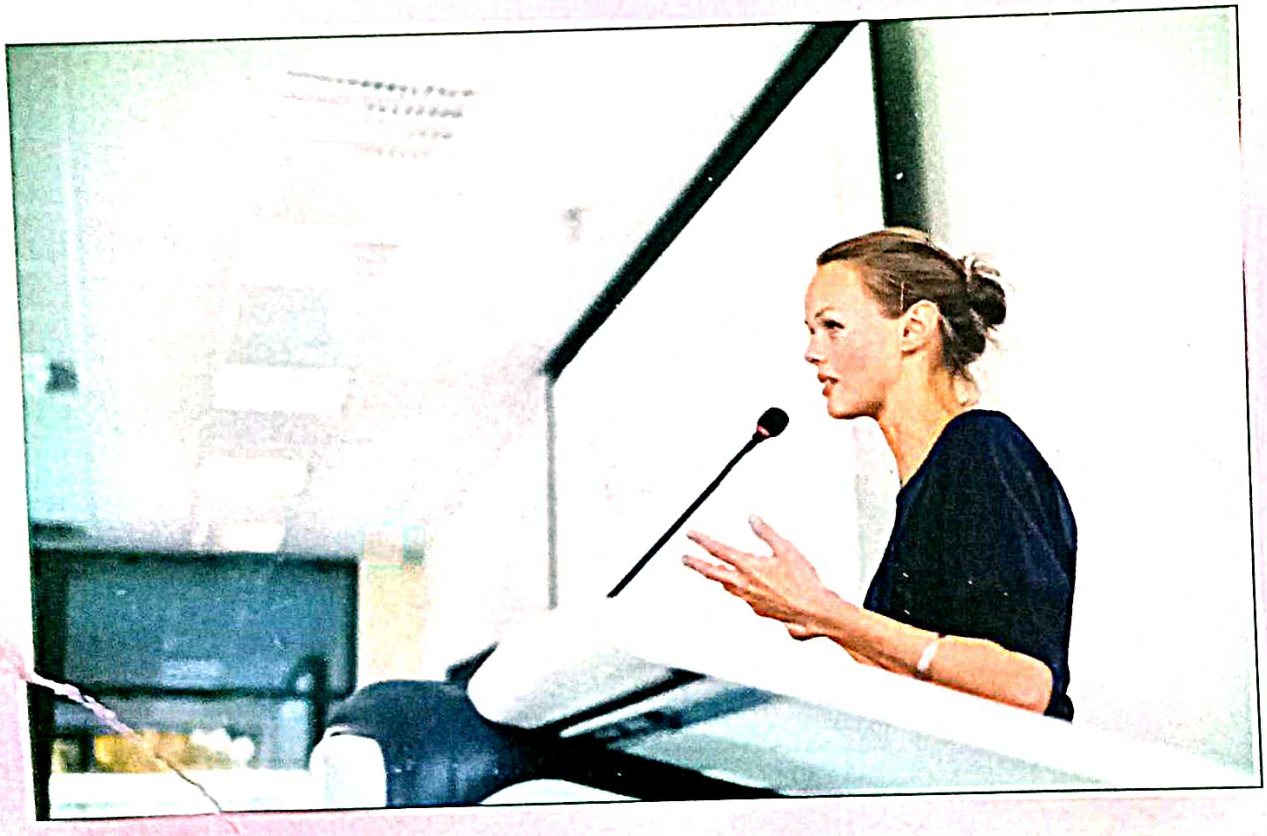

कथन :- श्रवण के नतीजन से जो कुछ सुना है। उसे दोहराने की कोशिश करते हैं।

श्रवण :- जब कोई मनुष्य कोई नई भाषा सीखता है तो वह उसे सुनता है।

पठन :- फिर वे लिखित प्रतीकों के माध्यम से बोली जाने वाली भाषा को देखते हैं।

लेखन :- अत: वे कागजों पर उन प्रतीकों को पुन: उत्पन्न करते हैं।

भाषायी कौशलों का महत्व -

भाषा आपके अधिगम की धुरी है। इसके बिना आप किसी विषय को समझकर संवाद नहीं कर सकते हैं। इसे अपनी भाषायी कौशलों के विकास की जरूरत है।

★ अपनी विषय-सामग्री को समझकर उसे प्रभावशाली ढंग से प्रयोग कर सके।

★ अपने विषय से संबंधित विशिष्ट शब्दकोष और भाषा का विकास करें।

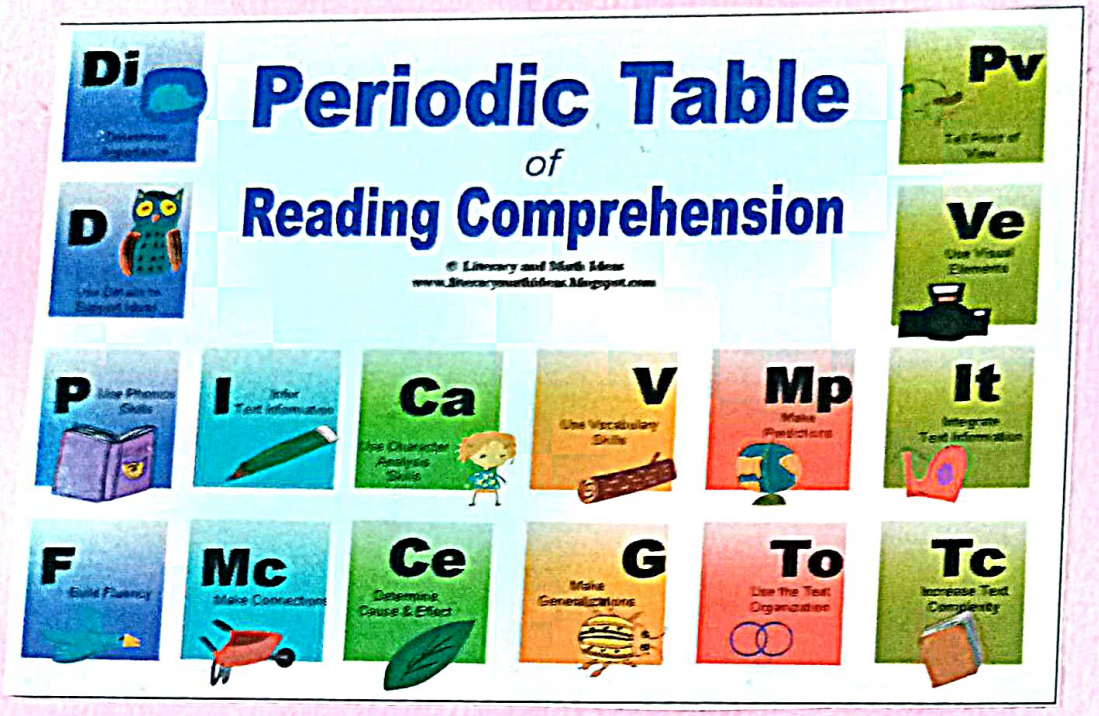

Periodic Table
of
Reading Comprehension
© Literacy and Math Ideas
Di
Pv
D
Ve
P
Use Phonics Skills
I
Infer Text Information
Ca
Use Character Analysis Skills
V
Use Vocabulary Skills
Mp
Make Predictions
It
Integrate Text Information
F
Build Fluency
Mc
Make Connections
Ce
Determine Cause & Effect
G
Make Generalizations
To
Use the Text Organization
Tc
Increase Text Complexity

* प्रदत्तकार्य के लिए प्रासंगिक सवाल व सामग्री का चयन करना।
* साहित्यिक चोरी के बिना प्रस्तुत असाइनमेंट्स को अच्छी व संरचित ढंग से लिखना।

Teaching of reading skill

पठन लिखित रूप में ग्रहण या सीखने संबंधी कौशल है। यह श्रवण और कथन कौशलों का इनके साथ ही विकसित होता है। विशेषकर एक अत्याधिक विकसित साहित्यिक परंपरा वाले समाज में पठन शब्दकोष निर्माण में सहायक है। जो बाद में चरणों में विशेषकर समझ के साथ सुनने में मदद करता है। परंपरागत रूप में एक भाषा सीखने का उद्देश्य उस भाषा में लिखे साहित्य को समझना है।

पठन एक उद्देश्य सहित गतिविधि है। एक व्यक्ति जानकारी हासिल करने या मौजूदा ज्ञान को सत्यापित करने या किसी लेखक के विचारों या लेखक शैली की आलोचना करने के लिए पढ़ सकते हैं।

भाषा शिक्षण में संप्रेषणीय उपागम ने शिक्षकों की भूमिका कथन कौशल के द्वारा विभिन्न प्रकार की पाठ्य सामग्रियों को समझाने की निश्चितता की है। जब अनुदेशन का उद्देश्य संप्रेषणीय

सहायता है। जैसे : ट्रेन अनुसूचियाँ, अखबारों में लेख, और यात्रा व पर्यटन की वेबसाइट की सूची इत्यादि तब से मैं कक्षा - कक्ष सामग्री बन गई है।

पाठकों की चयन ग्रंथों की मार्गदर्शिका के उद्देश्य :-

पढ़ने के उद्देश्य पढ़ने की समझ के लिए उचित उपागम का निर्धारण करते हैं। एक व्यक्ति जो आनंद के लिए कविता पढ़ रहा है इसके लिए जरूरी है ये भी जाने "कि कवि के किन शब्दों का प्रयोग किया है।"

पठन कौशल का अर्जन :-

पढ़ने के लिए सीखना, पठन के लिए आवश्यक कौशलों को अर्जित करना है। मुद्रित प्रतीकों से अर्थ समझने की योग्यता।

आमतौर पर पठन प्रक्रिया आरंभ होने से पहले ही संज्ञानात्मक भाषाई व सामाजिक कौशल विकसित हो चुके होते हैं।

~~आमतौर पर पठन प्रक्रिया आरंभ होने से पहले ही संज्ञानात्मक भाषाई व सामाजिक कौशल विकसित हो चुके होते हैं।~~

एक बच्चे की पढ़ने की योग्यता पठन तत्परता कहलाती है। जो बचपन में शुरू होती है।

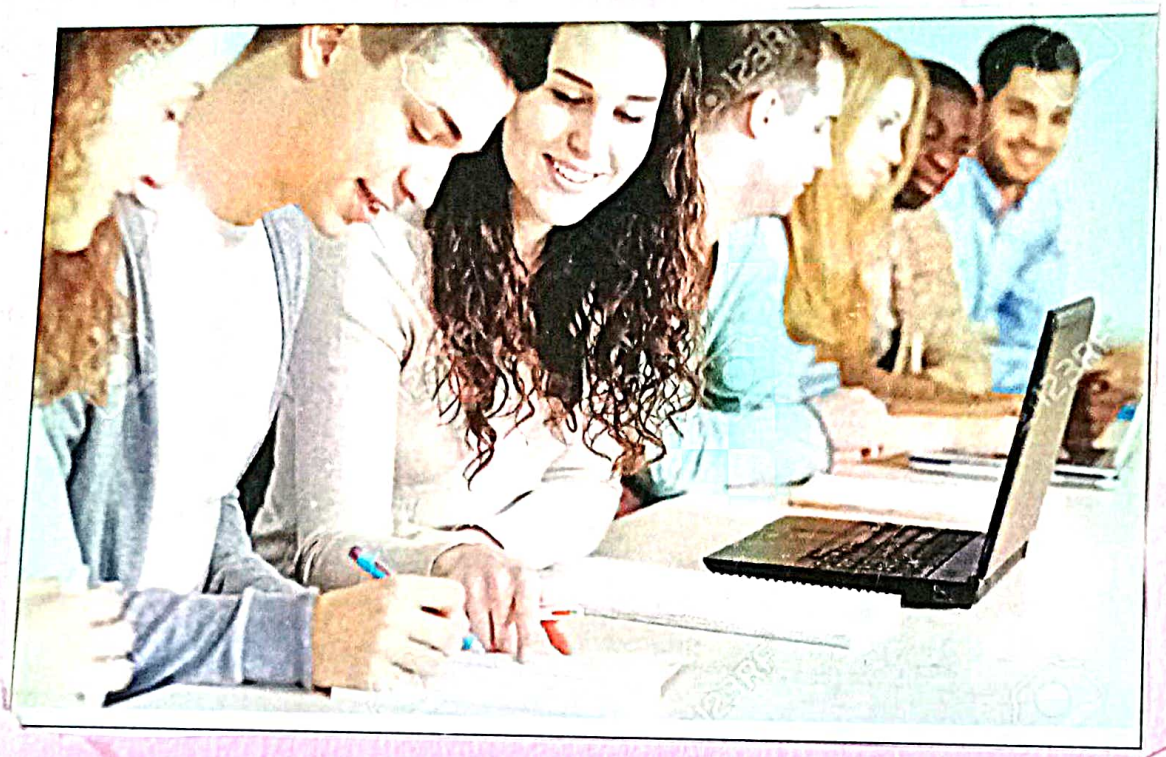

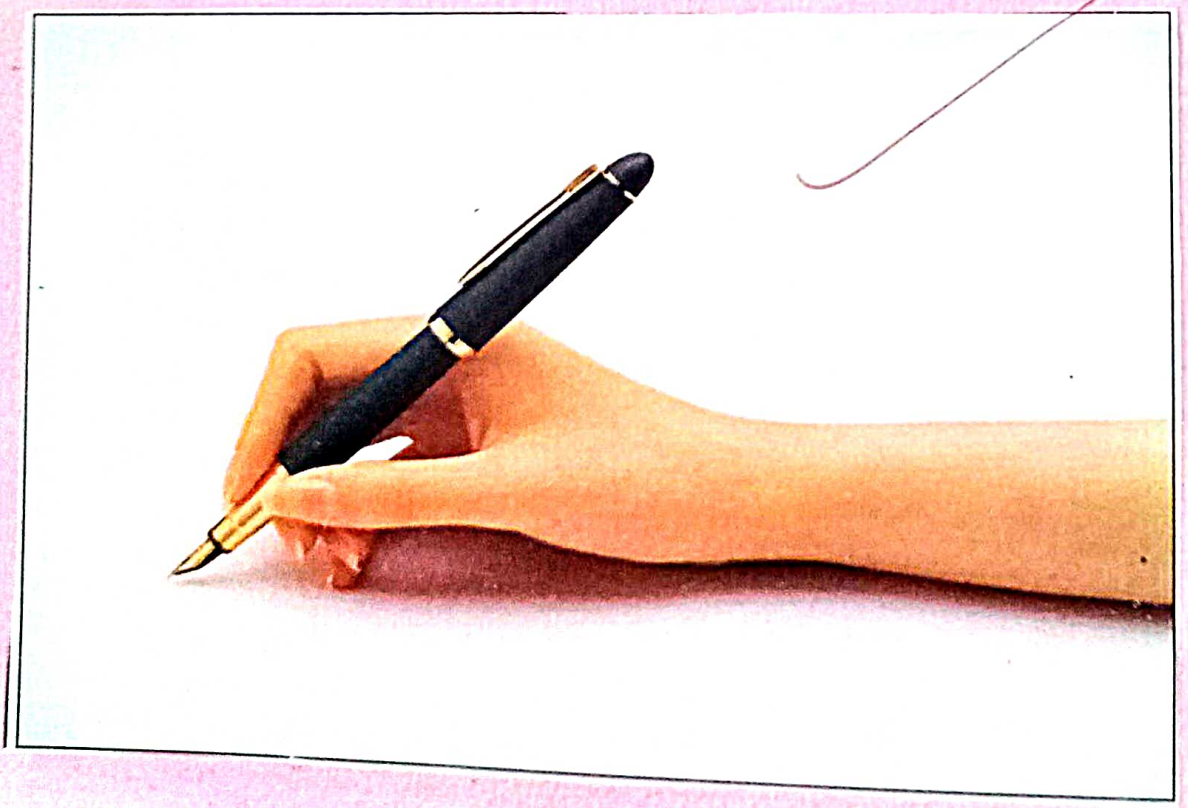

क्योंकि बालक अपने वातावरण से कथन संकेतों को समझकर बोलना शुरू कर देता है। बच्चों को वे सभी सामग्री - धारणा संकल्पना और शब्द जो उसके संपर्क में आती। एक बच्चा अपने देखभाल कर्ता के पास बैठा चित्रों को देखता है तब वह धीरे-धीरे उन संकेतों व शब्दों को पहचानना शुरू कर देता है।

पाठन कौशलों में सुधार लाने के तरीके :-

कुशल पठन के लिए जरूरी नहीं कि ध्वनिगत जागरूकता हो। लेकिन भाषण के लिए अलग-अलग भागों की जागरूकता अति आवश्यक है।

शब्दावली :- पठन की समझ का एक महत्वपूर्ण पहलू शब्दावली का विकास है। जब पाठक एक अपरिचित लिखित शब्द को पढ़ता है। उसका उच्चारण करता है। तब वह इसे समझेगा।

पठन समझ :- पठन की समझ एक जटिल संज्ञानात्मक प्रक्रिया है। जिसमें पाठक जान-बूझकर और सहभागिता पूर्व विषय वस्तु से अनुक्रिया करता है।

लिखने का विकास :- वर्तनी भाषा में प्रयुक्त प्रतीकों

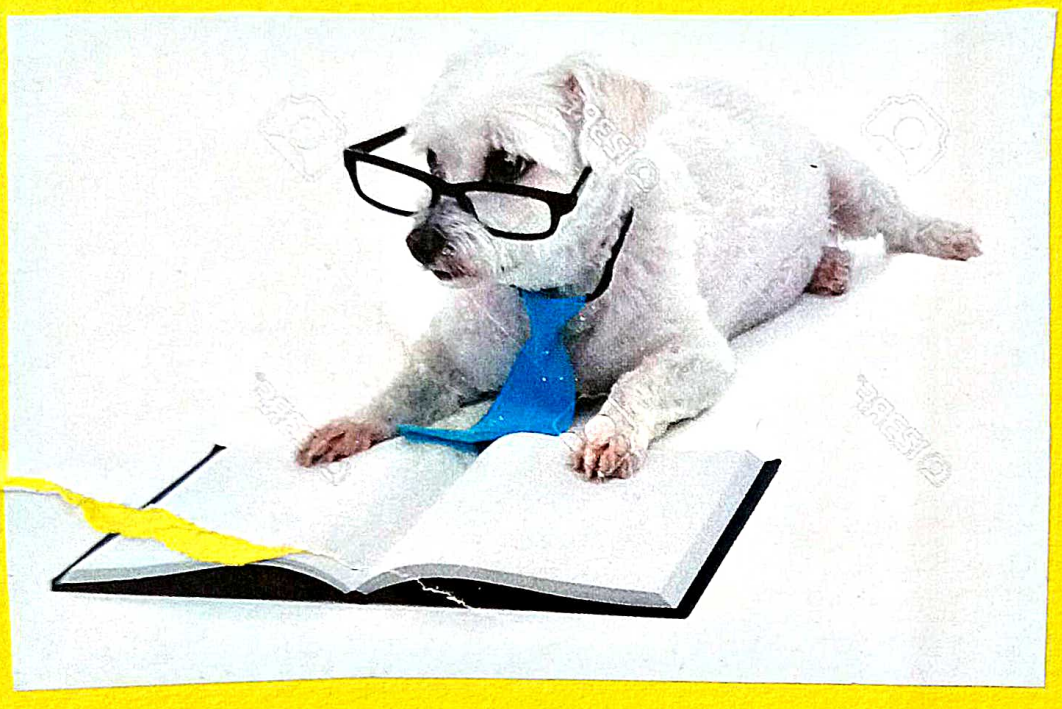

का एक समूह है। जिसमें इन प्रतीकों को लिखने के नियम भी शामिल है। कुशल पठन के लिए बच्चों को भाषा के तत्व जैसे: अक्षर, शब्द-विराम जोर या बल व विराम चिह्नों इत्यादि में समझना आवश्यक है।

ड्रिल और अभ्यास :-

ड्रिल व अभ्यास भाषा की किसी भी मूलभूत कौशल को समझने में सबसे प्रतिष्ठित कारकों में से एक है। मुद्रित शब्दों के बार-बार अभ्यास से पठन के कई पहलु विकसित होते है।

प्रवाह :-

यह मौखिक रूप से गति, ...टकता और मौखिक अभिव्यक्ति के साथ पढ़ने की क्षमता है। धारा प्रवाह पढ़ने के लिए आवश्यक तत्व एक है।

पठन के तरीके :-

पढ़ना लिखने व ...ात्मक पाठ को समझने की साहित्य सक्रिय प्रक्रिया है, यह एक सोचने की प्रक्रिया है। प्रभावी पाठक जानते है उन्होंने क्या पढ़ा है, उसका क्या अर्थ है वे अपनी समझ का निरीक्षण रखते है। जब वे पाठ्य सामग्री का अर्थ भूल जाते है। तो दोबारा अर्थ जानने की योजना बनाते है।

पढ़ने से पूर्व :- पूर्व कथन का उद्देश्य ज्ञान की पृष्ठ भूमि का निर्माण करना है। अध्यापक भी कुछ छात्र किसी संदर्भ के बारे में जानते हैं और कुछ नहीं जानते हैं। पूर्व पठन कार्य का उद्देश्य अधिगम कर्ताओं को सीखने की सामग्री का परिचय कराना है। ज्ञान की पृष्ठभूमि तैयार करना है। जिससे वे बाद में पाठ्य और क्रिया कर सके।

पूर्व पठन के उद्देश्य :-

1. छात्रों को अपने पूर्वज्ञान के आधार पर विषय के बारे में सोचने योग्य बनाना।
2. उन्हें पाठ से संभावित अर्थ की कल्पना करने में सक्षम बनाना।
3. उन्हें पाठ के संपूर्ण अर्थ को समझने योग्य बनाना

पढ़ने के बाद :- ये कार्य पठन कार्य में अर्जित ज्ञान को विस्तृत करने व जाँचने के उद्देश्य से आयोजित किये जाते हैं। इसमें सीखने वाले प्रस्तुत पठन में संबंधित विषयों पर बढ़कर उसका विश्लेषण करते हैं।

पढ़ने के बाद के उद्देश्य :-

1. पाठकों को पाठ की सूचना और विचारों पर मनन करने योग्य बनाना।

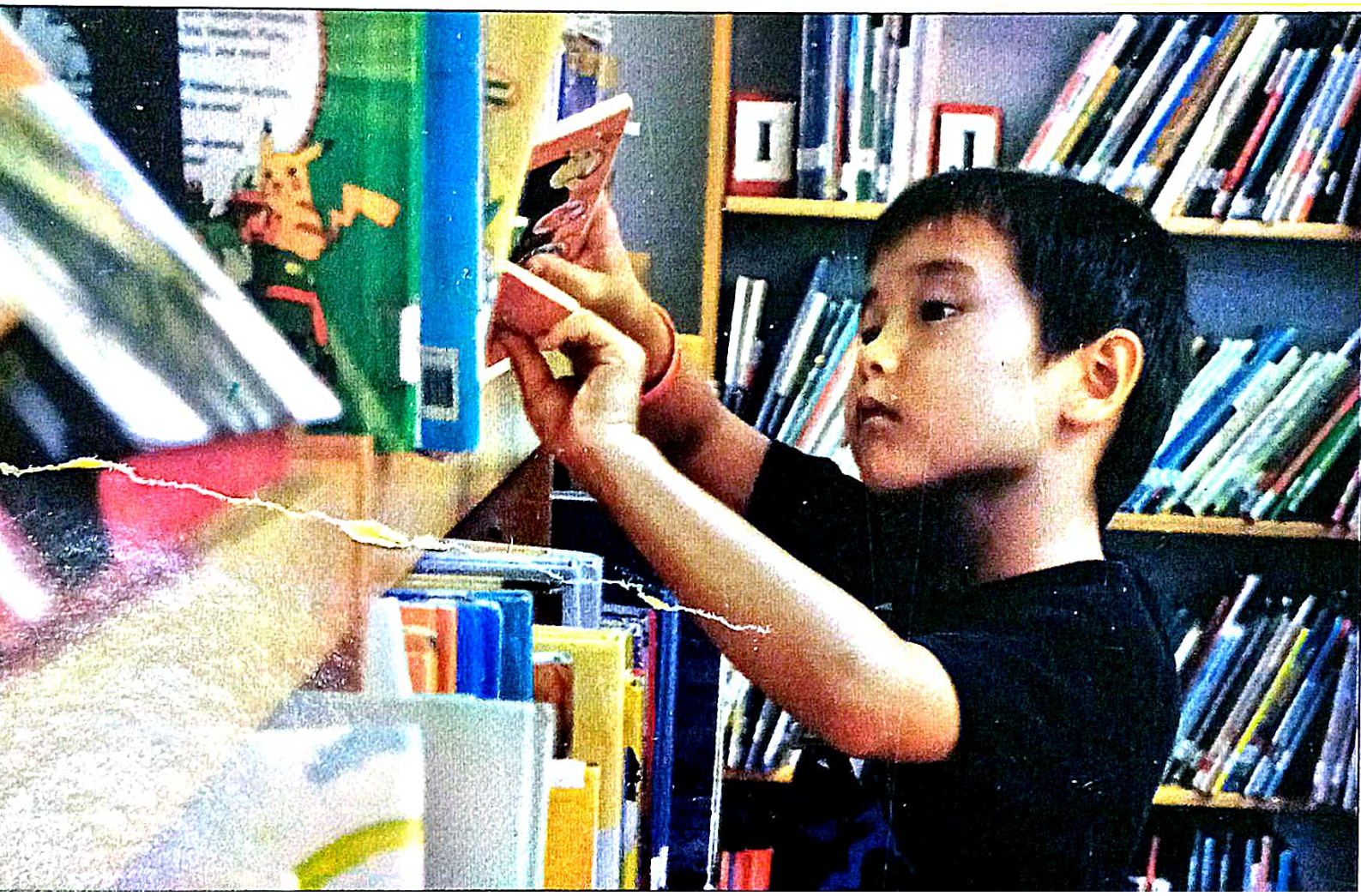

2.) उन्हें अपने अनुभवों और ज्ञान को संबंधित करने योग्य बनाना।

3) उन्हें पाठ की स्पष्ट समझ विकसित करने योग्य बनाना।

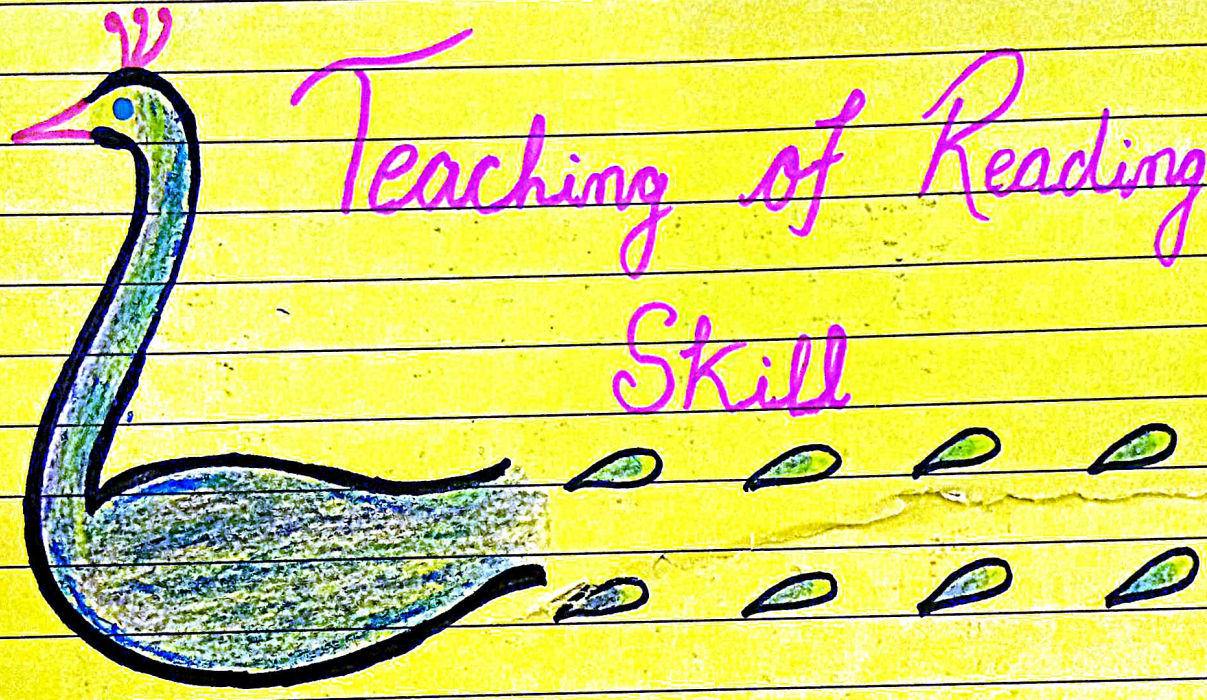

Teaching of Reading Skill

पढ़ने की शिक्षा के लिए वाचन व पठन दो शब्दों का प्रयोग सामांय रूप से किया जाता है। वाचन शब्द वाक् धातु से बना है। जिसका अर्थ है शब्द, वाणी, कथन लिखे हुए या छपे हुए शब्दों का उच्चारण करना वाचन कहलाता है। परंतु यह वाचन का संकुचित अर्थ है।

सामांय वाचन दो प्रकार के होते हैं :-

1. व्यक्तिगत वाचन।
2. मौन वाचन।

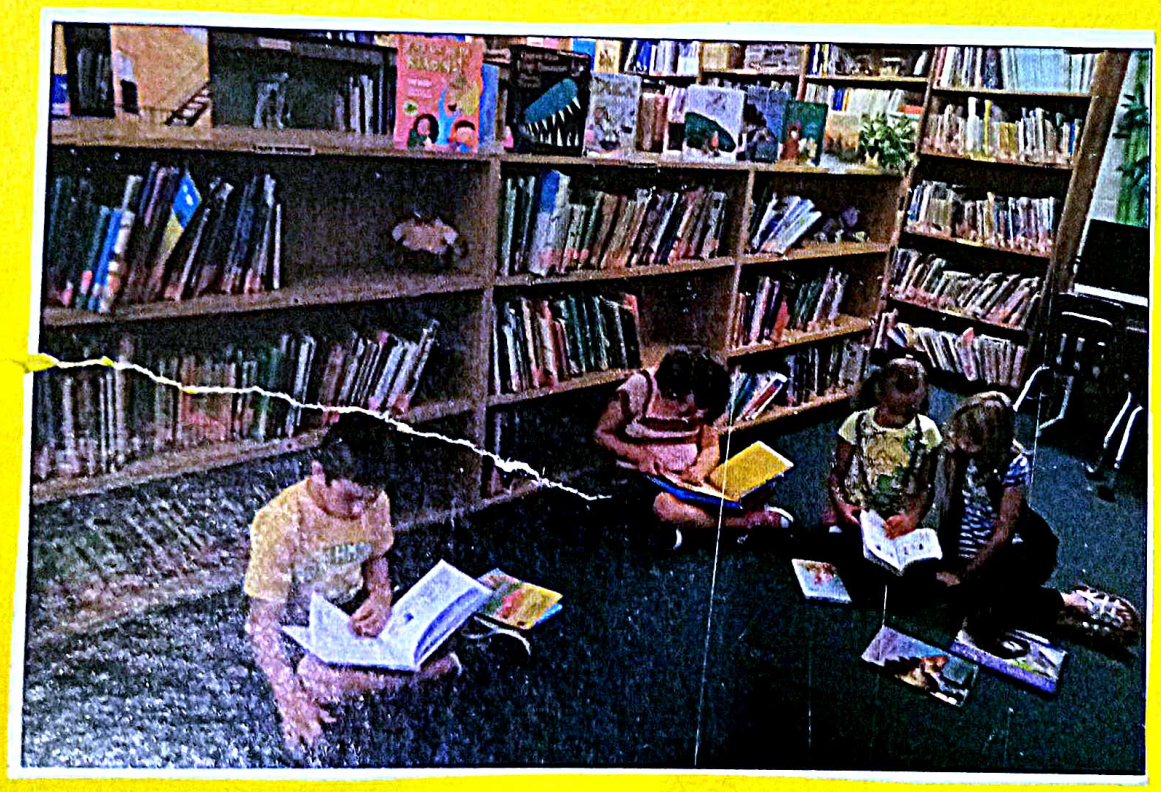

स्वर सहित पढ़ते हुए अर्थ ग्रहण करने को सस्वर वाचन कहा जाता है। यह वाचन की प्रारंभिक अवस्था है। एक व्यक्ति द्वारा आवाज़ करते हुए किए जाने वाले स्वर वाचन को कहा जाता है। अध्यापक द्वारा किए जाने पर इसे आदर्श वाचन और छात्र द्वारा किए जाने पर अनुकरण वाचन कहा जाता है।

सामूहिक वाचन :- दो या दो से अधिक छात्रों द्वारा आवाज़ किए जाने वाले वाचन को सामूहिक वाचन कहा जाता है।

मौन वाचन :- विधिवत भाषा अर्थात् लिखित सामग्री को बिना आवाज़ किए मन ही मन में शांतिपूर्वक पढ़कर अर्थ ग्रहण करने की क्रिया को मौनवाचन कहा जाता है।

वाचन अभ्यास :- सभी वर्णों तथा मात्राओं का ज्ञान होने के उपरांत सस्वर वाचन के द्वारा बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने का अभ्यास करना चाहिए। अध्यापक को स्वयं आदर्श वाचन करना चाहिए। अध्यापक के आदर्श वाचन को सुनकर उसका अनुकरण करते हुए कक्षा के बच्चों से अलग-अलग सस्वर वाचन कराकर बच्चों को सही ढंग से वाचन कराना चाहिए।

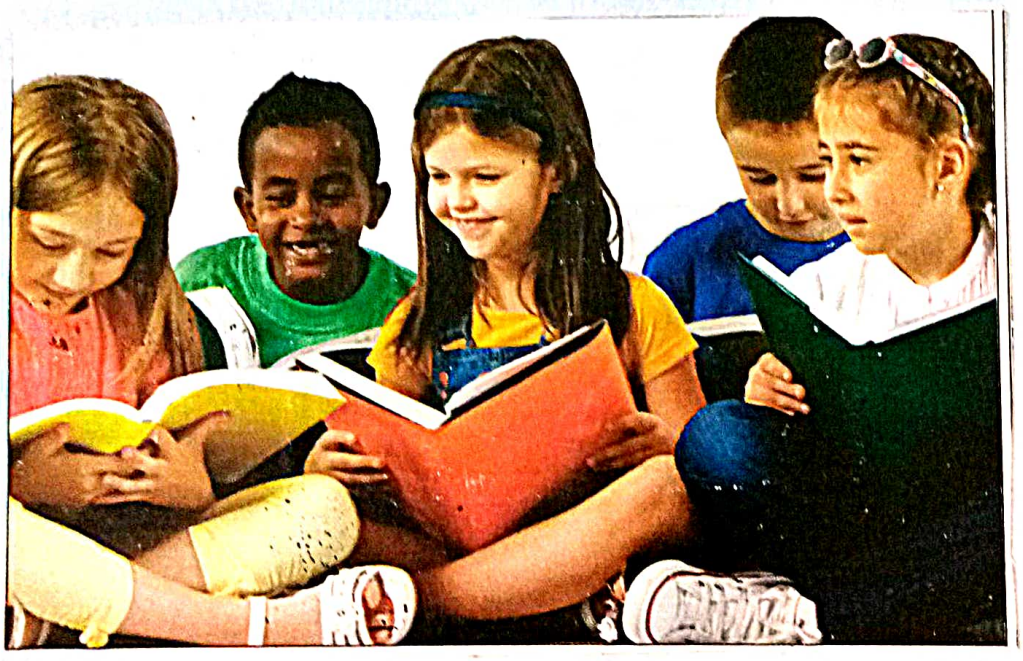

Reading for Global and Local comprehension

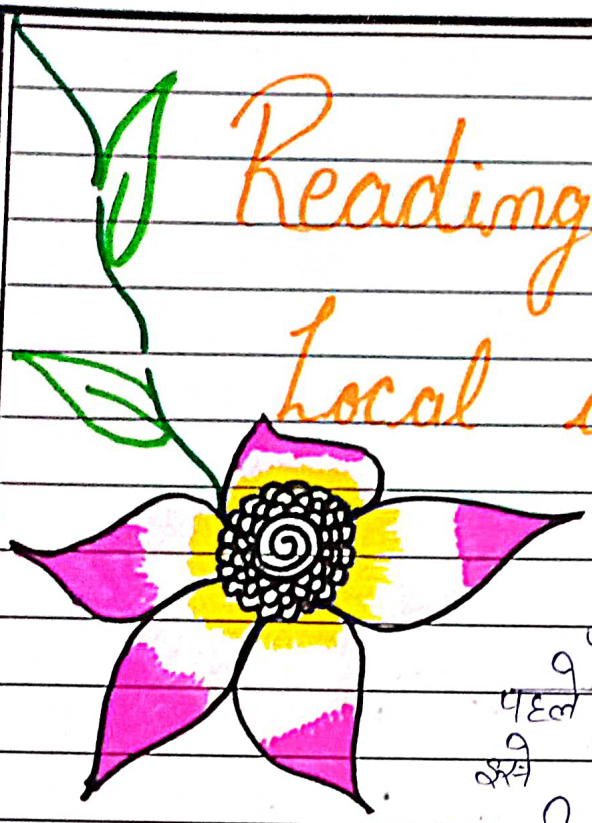

पढ़ते है तो उसकी पढ़ने से पहले पता होना चाहिए कि हम क्से पढ़ रहे है और पढ़ने के बाद यह भी पता होना चाहिए कि इससे क्या समझ आया है।

Reading for Global Comprehension का अर्थ होता है कि कुछ भी आपने सुना है। उसके साधारण अर्थ को समझना। यह एक विशेष प्रकार का गद्यांश होता है। इसका मतलब है कि गद्यांशों में दी गई विशेष सूचनाओं की जानकारी प्राप्त करना जो कि महत्वपूर्ण है और इसको पूरी तरह से समझना। इसके तीन वाचन कौशल होते है।

Skimming, Scanning and Intesive Reading :-

Example :-

बच्चे ने जो भी कहानी सुनी है वह उसे दोबारा बना सके।

जैसे :-

जैसे छोटे - छोटे वाक्यों के बीच में खाली स्थान छोड़कर उनसे कहा जाए की जो कहानी है कहानी उन्होंने सुनी है उन्हें दोबारा से सुनाने का प्रयास करें।

वर्णनात्मक वाचन :

वर्णात्मक वाचन का अर्थ होता है कि किसी के बारे में विस्तार से जानकर बोलना इसमें वक्ता किसी भी वस्तु या किसी के परिचय को कुछ अपने शब्दों में व्यक्त करना है। अर्थात वह किसी स्थान या वस्तु के बारे में जो कुछ भी पढ़ता है। उसके बारे में पूरा वर्णन विस्तृत रूप से देता है। वह उसको विवरणात्मक रूप से पढ़ता है। इसमें वह सभी जानकारी पढ़ता है कुछ भी नहीं छोड़ता है।

Narratives :

मौखिक अभिव्यक्ति की कुशलता

विकसित करने के लिए कहीं जाए तो वांछित प्रभाव नहीं पड़ता। कहानी कहने वाले को पूरी कहानी याद होनी चाहिए

कहानी में स्पष्टता होनी चाहिए।

कहानी के कहने में वर्णन और संवाद दोनों की आवश्यकता होती है।

हम सभी अपना अधिकतर समय बातचीत करते समय व्यतीत करते हैं। एक - दो व्यक्तियों के बीच हुई बातचीत होती है। क्योंकि इसी आपसी वार्तालाप के द्वारा हम अपने मन की बात दूसरों को तक पहुंचाते हैं।

उदाहरण →

अक्षत! हेलो अखिल कैसे हो
अखिल! ओह! अक्षत आओ बैठो।
अक्षत! क्या पढ़ाई कर रहे हो।
अखिल! नहीं, कल वाद - विवाद प्रतियोगिता है, बस उसी की तैयारी कर रहा हूँ।

इसके द्वारा आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। व्यक्ति आत्मविश्वास उजागर कर के किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ सकता है तथा भाषण देने में सक्षम होते हैं।

I ♥ Creative Writing

Biographical Sketchs

जीवन रेखाचित्र एक व्यक्ति के जीवन का विस्तृत वर्णन है। वह शिक्षा, काम, संबंधों व मौत आदि तथ्यों से अधिक बातों को शामिल करते है। इसके साथ यह मनुष्य के जीवन भर की घटनाओं के अनुभवों को दर्शाता है। जिसमें उसकी घनिष्टता पहलुओं और व्यक्तित्व का विश्लेषण शामिल हो सकता है।

आत्मकथा व्यक्ति द्वारा अपने बारे में स्वयं द्वारा लिखी जाती है।

जीवन रेखा-चित्र पढ़ने के उद्देश्य :-

1.) एक व्यक्ति या एक प्रसिद्ध व्यक्तित्व के बारे में जानकारी इकट्ठा करने के लिए।

2.) जीवन में सबसे महत्वपूर्ण सबक प्रदान करने के लिए।

3) जीवन में संकट को संभालने के लिए अंतर्दृष्टि रखने के लिए।

4) दूसरों से प्रेरित होकर केरियर का चुनाव करने के लिए।

POEM RECITATION CONTEST

Plays

यह नाटक आमतौर पर छात्रों के बीच संवादों सहित नाटककार द्वारा रचित साहित्य का एक रूप है। जिनका इरादा केवल पढ़ने का बजाय नाटकीय प्रदर्शन ज्यादा है।

ये विभिन्न स्तरों पर प्रदर्शित हो रहे हैं। नाटक शब्द का उल्लेख लिखित कार्यों और उनके पूर्ण नाटकीय प्रदर्शन दोनों से संबंधित है।

नाटकीय साहित्य एक छात्र को कई चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है।

1). **पेन्सिल के साथ पढ़ना :-** नाटक की रोचकता समझने के लिए एलर का मानना है कि पाठक को किसी जनरल या पेज के नोट्स प्रतिक्रियाओं या प्रश्नों को संक्षेप में लिखना चाहिए।

2) **पात्रों की कल्पना चित्र :-** एक नाटक आमतौर पर विस्तृत वर्णन नहीं होता है। आमतौर पर मंच पर आने से पहले संक्षेप में नाटककार उस पात्र का वर्णन कर देते हैं।

3) सीटिंग मनन :- कई क्लासिक नाटक विभिन्न युगों की श्रृंखला में लिखे गये हैं। छात्रों को कहानी के समय और जगह संबंधित समझ स्पष्ट होनी चाहिए।

4) ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :- अगर समय और जगह एक महत्वपूर्ण घटक है। तो छात्रों को नाटक के ऐतिहासिक विवरणों को पढ़ना चाहिए।

नाटक पढ़ने के उद्देश्य :-

1) खुशी और मनोरंजन के लिए।
2) पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए।
3) तनाव में कमी के लिए।
4) स्मृति बढ़ाने के लिए।
5) मानसिक उत्तेजना प्रदान करने के लिए।

Mark arrived at work just like every day, him and his wife Jenna were working on a space mission together.

Then they got to work and talked about business.

Suddenly they heard a loud noise above them, then there was a sudden BANG ! Mark ran to the window and opened the curtains as quick as he could. When he looked out the window there was a bright yellow beam shining in Mark's face. All he could see was a big metal space ship he told Jenna immediately! Two minutes later two lime green-green Aliens came out from the space ship and said "We are hear to take over Moonland" Jenna got worried and said "What should we do?" Mark said nothing.

Suddenly the Aliens shut all the doors and starting taking over Moonland, Mark got all the members of staff to help stop the Aliens, After ten minutes of fighting the aliens got tired and there was a sudden BANG! and the aliens were gone. There was a big sign of relief from all the staff including Mark & Jenna.

By Christina Diakou

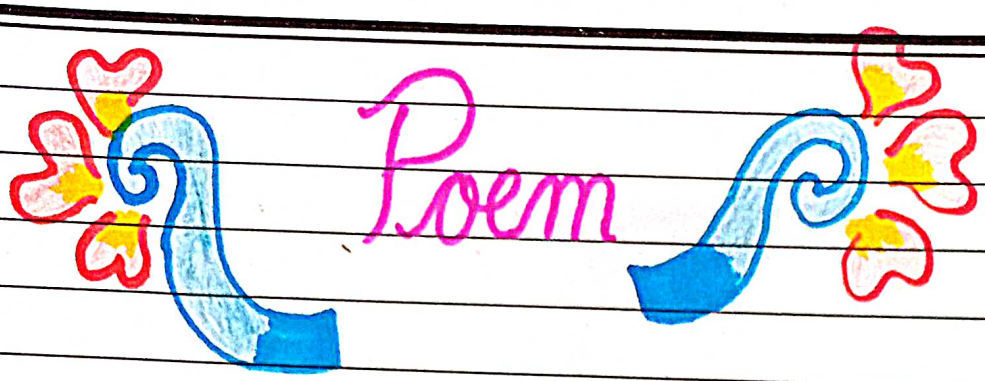

Poem

साहित्यिक काम लोगों को सूचना मनोरंजन और प्रेरणा देने के लिए प्रयोजन से बनाये जाते हैं। ये हमारे पास प्राचीन समय से ही है।

कविता अर्थ उत्पन्न करने के लिए भाषा के सौंदर्य और गुणों का उपयोग करती है। इसमें स्वरों की एकता अनुप्रास अभिनिरुपन और लय आदि का प्रयोग होता है।

कविता पढ़ना :-

अच्छी कविता पढ़ना आंशिक रूप से दृष्टिकोण और आंशिक रूप से तकनीक पर निर्भर है। जिज्ञासा एक उपयोगी दृष्टिकोण है। यहाँ कविता पढ़ने के कुछ सुझाव दिये गए हैं।

मूल - विषय की जाँच :-

कविता के शीर्षक विषय और स्थिति पर ध्यान से विचार करने की आवश्यकता है।

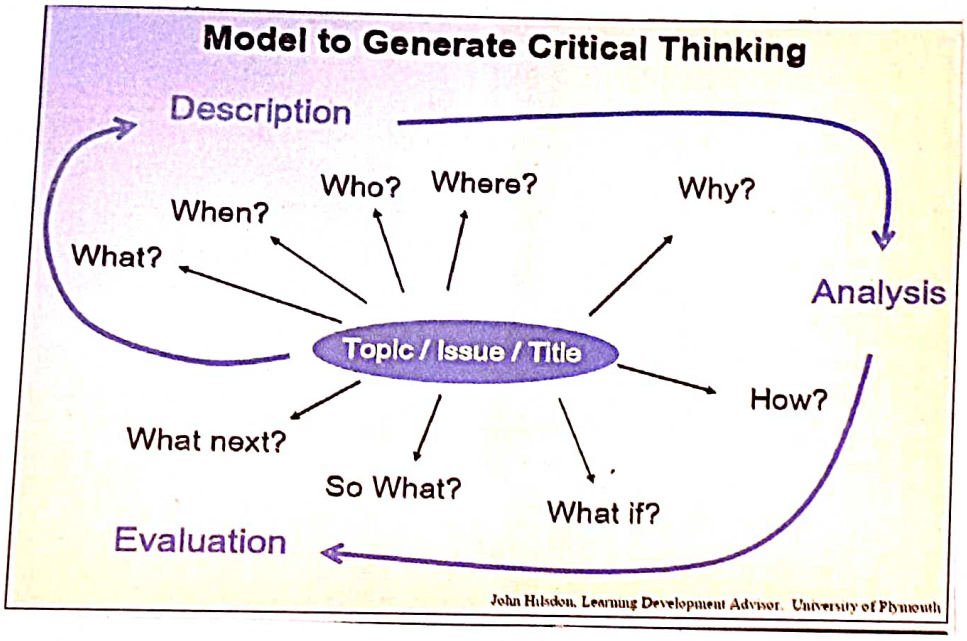
Model to Generate Critical Thinking
Description
Who?
Where?
When?
Why?
What?
Analysis
Topic / Issue / Title
How?
What next?
So What?
What if?
Evaluation
John Hilsdon, Learning Development Adviser, University of Plymouth

कविता के रूप का अध्ययन : पढ़ने वालों को कविता की ध्वनि कविता के अंदर विभाजन की जानकारी प्रदान होती है।

News - Report

यह वर्तमान घटनाओं का ब्यौरा है। यह अलग-अलग माध्यमों, मौखिक, लिखित डाकिया माध्यम प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक संचार द्वारा चलाई जाती है। समाचार - रिपोर्ट के लिए आम - विषयों में युद्ध राजनीति व कारोबार, खेल-कूद, प्रतियोगिता, घटनाएँ तथा मशहूर हस्तियों के काम इत्यादि शामिल होते हैं।

तकनीक और सामाजिक विकास ने समाचार के फैलने की गति सामग्री को प्रभावित किया है।

समाचार रिपोर्ट को पढ़ना :

समाचार रिपोर्ट पढ़ना एक अच्छी आदत है। जो अच्छी तरह सैद्धांतिक मूल्य प्रदान करती है। यह राजनीति अर्थव्यवस्था मनोरंजन, खेल व्यापार, उद्योग, विकास के बारे में

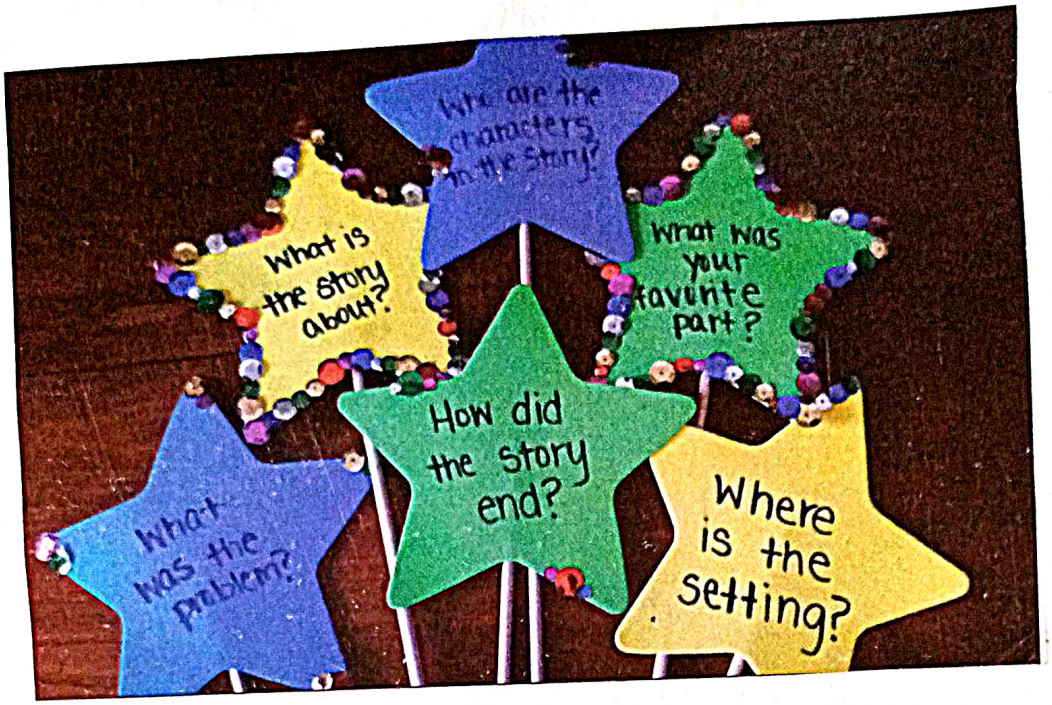
What is the story about?
What was your favorite part?
How did the story end?
What was the problem?
Where is the setting?

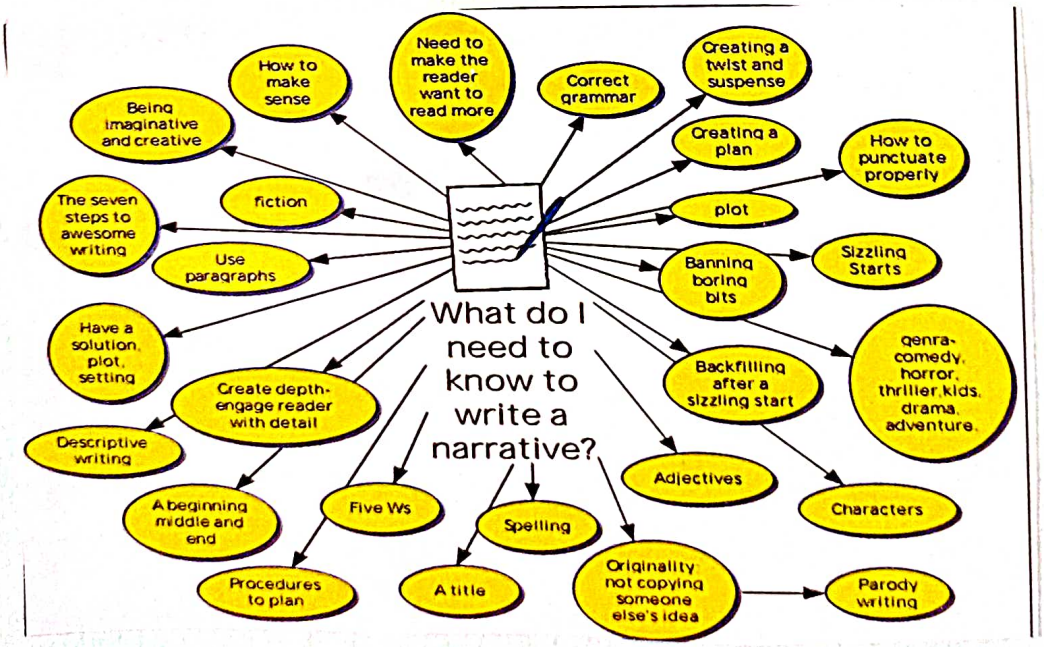
What do I need to know to write a narrative?
Need to make the reader want to read more
How to make sense
Being imaginative and creative
The seven steps to awesome writing
fiction
Use paragraphs
Have a solution, plot, setting
Create depth- engage reader with detail
Descriptive writing
A beginning middle and end
Procedures to plan
Five Ws
A title
Spelling
Originality not copying someone else's idea
Parody writing
Adjectives
Characters
Backfilling after a sizzling start
genra- comedy, horror, thriller, kids, drama, adventure.
Banning boring bits
Sizzling Starts
plot
How to punctuate properly
Creating a plan
Creating a twist and suspense
Correct grammar

जानकारी देता है। यह दुनिया की खबर देता है। इसे पढ़कर आप देश ही नहीं अपितु विदेशों की वर्तमान घटनाओं के बारे में भी जान सकते हैं। यह एक देश की आर्थिक स्थिति खेलकूद मनोरंजन, व्यापार और वाणिज्य आदि की खबरें प्रदान करता है।

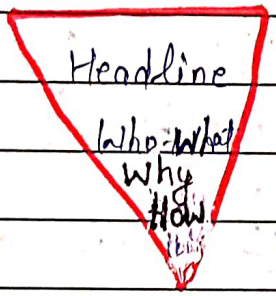

गहन अध्ययन :-

1) छात्रों को कक्षा में प्रयुक्त पाठ की मुख्य विशेषताओं की जानकारी देना।

2) उन्हें ज्यादा पसता से सूचना ढूंढने व उनके प्रयोग के लिए योग्य बनाना।

3) पाठकों को लम्बे पाठों से पाठ्य पद्धति की पहचान करने योग्य बनाना।

4) छात्रों को पाठ्य सामग्री को जाँचने योग्य बनाना।

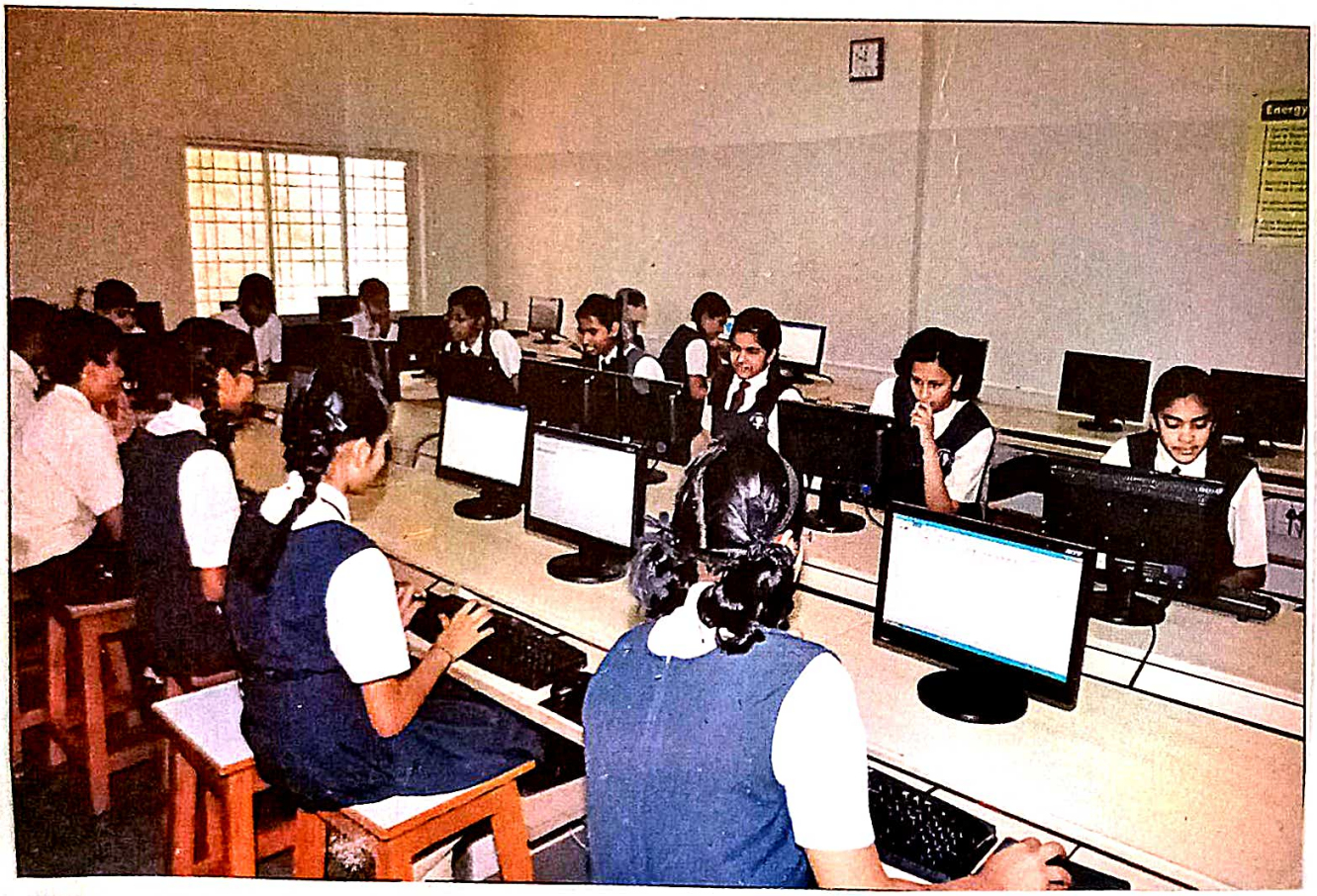

समीक्षात्मक पठन

यह एक विश्लेषणात्मक अध्ययन है। पाठक एक पाठ के तत्वों की जानकारी मूल्य मान्यताओं और भाषाओं उपयोग को जानने के लिए बार-बार पढ़ता है।

समीक्षात्मक पठन भाषा विश्लेषण का एक रूप है। जो पाठ के अंकित मूल्यों को खंडन नहीं करता अपितु इसका गहन कार्य को ध्यान में रखता है। दोबारा व्याख्या और संगठित करने की योग्यता बेहतर स्पष्टता व पठनीयता से स्पष्ट करता है। इसके अलावा खामियों की पहचान व लेखक के तर्क में कमी अच्छी तरह से संबोधन करने की योग्यता इस प्रक्रिया का आवश्यक तत्व है।

समीक्षात्मक पठन के उद्देश्य :-

1) छात्रों को लेखक का उद्देश्य समझने योग्य बनाना।

2) उन्हें अलग-अलग पाठों को पढ़ने व अनुक्रिया करने योग्य बनाना।

3) उन्हें पाठ की लय और प्रभावकारी तत्वों की जानकारी देना।

4) छात्रों को लेखकों के संवेदों विचारों व निष्कर्ष अपनाने या मना करने की क्षमता विकसित करना।

समीक्षात्मक पढ़ने की प्रक्रिया :-

लेखकों के दर्शन बनने की तैयारी :- लेखक विशेष दर्शकों के लिए पाठ तैयार करता है, लक्षित दर्शक बनने से लेखक के उद्देश्य की जानकारी अच्छे से हो।

खुले मन से पढ़ने के लिए तैयार होना :- समीक्षात्मक पाठ का ज्ञान की खोज में रहते हैं वे अपने व्यक्तित्व के अनुरूप कार्य को दोबारा नहीं लिखते।

शीर्षक का विचार करना :- यह स्पष्ट तौर पर प्रतीत होता है कि एक शीर्षक लेखक की दृष्टिकोण लक्ष्य व्यक्तिगत सोच और उपागम को दर्शाता है।

धीरे से पढ़ना :- गहन अध्ययन का यह महत्वपूर्ण है। कि जितना धीरे पढ़ोगे उतनी ही ज्यादा पाठ की समझ विकसित होगी।

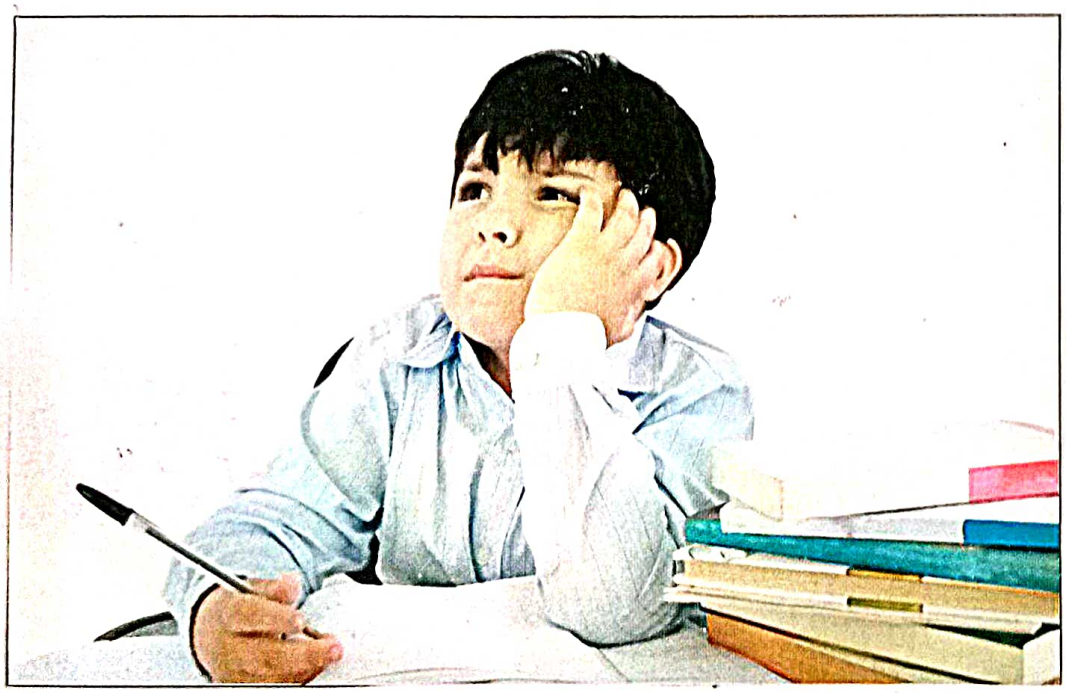

उचित संकेतों का उपयोग करना :-

अगर कोई शब्द स्पष्ट नहीं है तो पाठक किसी अच्छा प्रासंगिक या शब्दकोष की सहायता लेनी चाहिए क्योंकि शब्द महत्वपूर्ण है।

नोट्स बनाना :-

पाठ के मुख्य बिंदुओं को रेखांकित हाईलाइट करके नोट बुक में लिखना चाहिए नोट्स बनाना समीक्षात्मक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण भाग है।

Meaning of Writing Skill

लिपि का अर्थ :-

भाषा के दो रूप हैं। मौखिक रूप और लिखित रूप। विचारों की अभिव्यक्ति के लिए व्यक्ति जिन ध्वनियों का प्रयोग करता है। वह मौखिक भाषा कहलाती है। उन्हीं ध्वनियों के जिन विशिष्ट चिन्हों

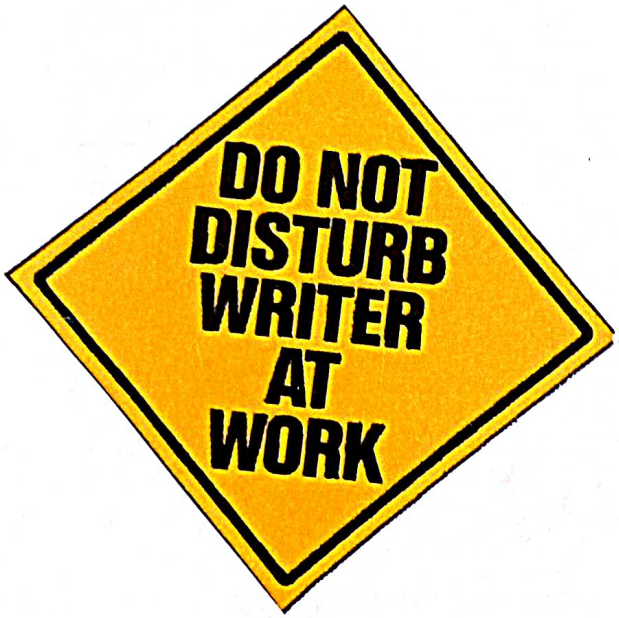
DO NOT
DISTURB
WRITER
AT
WORK

के माध्यम से लिखित रूप में व्यक्त किया जाता है।
वे उन्हें लिपि कहते हैं।

लेखन कौशल का अर्थ :

सामान्य रूप में लिखकर विचारों को अभिव्यक्त करना लेखन कौशल या लिखित अभिव्यक्ति कहलाता है।

Methods of developing writing skill :

भाषा सीखने का स्वाभाविक क्रम होता है। ~~भाषा~~ की शिक्षा देने के लिए प्राथमिक स्तर से ही बच्चों में ~~इन~~ इन चार कौशलों को विकसित किया जाता है। ये कौशल श्रवण, भाषण, पठन और लेखन है। लेखन कौशल को विकसित करने के लिए अध्यापक को निम्न क्रम का पालन करना चाहिए।

- कक्षा का रुचिपूर्ण वातावरण।

- कागज पर स्टेंसिल करे हुए वर्णों के आकार।
- श्यामपट्ट पर बड़े आकार के आधार लिखकर
- लकड़ी गत्ते व प्लास्टिक के बने हुए वर्णों के आकार।

चतुर्थ अवस्था :-

यह चौथी अवस्था लेखन कौशल की है। अब तक बच्चों को सुनकर या देखकर सुन्दर लेख के द्वारा शुद्ध वाक्य लिखने का अभ्यास हो जाता है।

पूरी तरह विकसित हो सके। जिसमें उनमें लेखन कौशल

इसके लिए कक्षा में समय-समय पर लिखित कार्य का अभ्यास करते रहना चाहिए।

Syadav